नई दिल्ली, 2 दिसंबर 2013

जागरण सिटी
ग्रेटर नोएडा/दादरी

शांति व सद्भाव की ताकत ही सबसे बड़ा हथियार

- बिमटेक के सक्सेस और हैपिनेस कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा

संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : बिरला इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के स्पोर्ट्स कांपलेक्स में रविवार को आयोजित सक्सेस और हैपिनेस कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शांति और सद्भाव की ताकत ही सबसे बड़ा हथियार है।

आदित्य बिरला सेंटर फॉर कम्यूनिटी इनीसिएटिव एंड रूरल डेवलेपमेंट की चेयर पर्सन राजश्री बिरला ने कहा कि तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा के पास बौद्ध धर्म के साथ शांति के प्रतीक होने के अलावा कोई शक्ति नहीं है। जिनमें शान शौकत और सेना जैसी ताकत हो। बावजूद इसके दलाई लामा का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। इसीलिए शांति का नोबेल पुरस्कार भी उन्हें दिया जा चुका है। वह लोकतंत्र और सांप्रदायिकता सद्भाव के समर्थक होने के कारण आज के हीरो और दूसरे देशों के लिए आइकॉन बने हुए है। बिमटेक की बोर्ड ऑफ गवर्नर की चेयर पर्सन जयश्री मोहतो ने कहा कि दलाई लामा बौद्ध धर्म को मानते है, जो अहिंसा के रास्ते पर चलाना सिखाता है। इसीलिए दलाई लामा को भारत, चीन और तिब्बत के बाहर भी शांति का समर्थक माना जाता है। उनके रास्ते पर चलने से ही समृद्धि और खुशहाली आ सकती है।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा। जागरण